हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 16 फरवरी 2026

11 धूमधाम से मनाई महाशिवरात्रि गूंजे बम बम भोले के जयकारे

12 धर्म वही जो सभी के कल्याण की कामना करे...

खबर संक्षेप

गुजवि ने घोषित किए परीक्षा परिणाम

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से विभिन्न विषयों के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. यशपाल सिंगला ने बताया कि दिसम्बर 2025 में हुई बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी तृतीय सेमेस्टर (रिअपीयर) बैच 2021-2022, फरवरी/जुलाई 2025 में हुई दूरस्थ शिक्षा की एमकॉम द्वितीय सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2407, एमबीए द्वितीय सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2406, एमएएमसी प्रथम सेमेस्टर (रिवाईन्ड) सीरीज 2404 व 2484, एमएएमसी द्वितीय सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2404 व 2484, बीएएमसी द्वितीय सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2452, बीएएमसी चतुर्थ सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2352 तथा बीए द्वितीय सेमेस्टर (मेन) सीरीज 2454 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है।

सेक्टर 9-11 में शीशे तोड़कर फॉर्च्यूनर चोरी

हिसार। बीती रात सेक्टर 9-11 में मकान के आगे खड़ी फॉर्च्यूनर गाड़ी चोरी हो गई। सेक्टर 9-11 में 25 नंबर मकान में रहने वाले निशांत ने अर्बन एस्टेट पुलिस थाना में लिखवाई रिपोर्ट में कहा है कि बीती रात 8 बजे अपने मकान के सामने फॉर्च्यूनर गाड़ी नंबर एचआर20एएन-0025 लॉक करके खड़ी की थी। सुबह 8 बजे देखा तो गाड़ी गायब थी। गाड़ी के स्थान पर टूटे हुए शीशे मिले। निशांत की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात पर चोरी का केस दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है।

महिला को अवैध असलहा देने का आरोपी गिरफ्तार

उकलाना। पुलिस ने बिठमड़ा गांव निवासी महिला को अवैध हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी नंदलाल उर्फ नंदू को हिरासत में ले लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि महिला का साथी इस समय अपने घर गांव बिठमडा में है। इस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार इससे पहले बिठमड़ा निवासी महिला सुमन को 315 बोर देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया था। आरोप है कि नंदलाल उर्फ नंदू ने ये कट्टा व कारतूस महिला को दिए थे।

भारी मात्रा में पकड़ी देशी शराब, एक गिरफ्तार

नारनौंद। पुलिस ने कापड़ो गांव से भारी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद कर एक युवक को दबोचा है। पुलिस चौकी खेड़ी चोपटा में तैनात मुख्य सिपाही संदीप कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली कि कापड़ो निवासी रवि के अवैध रूप से शराब बेचने की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने छापा मारकर एक दुकान के बाहर बैठे कापड़ो निवासी रवि को गिरफ्तार कर लिया। दुकान की तलाशी लेने पर वहां से 10 पेटी देशी शराब बरामद हुई, जिनमें कुल 300 पव्वे व 48 बोतल देशी शराब शामिल हैं। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

टीटीसी केंद्र में कृषि मेला संपन्न नई तकनीकों की दिखी झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

सिरसा रोड स्थित उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी केंद्र) में रविवार को आयोजित कृषि मेले के दूसरे दिन किसानों की भारी भीड़ उमड़ी। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने रिबन काटकर मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान पूर्व सांसद डॉ. डीपी वत्स, एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज और टीटीसी निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। अतिथियों ने विभिन्न कंपनियों के ट्रैक्टरों का उद्घाटन कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया और नई कृषि तकनीकों की जानकारी ली। मेले में इस बार एक खास दराती किसानों के आकर्षण का केंद्र रही। ब्रोन स्टील से बनी यह दरांती लंबे समय तक बिना घिसे और टूटे काम करने का दावा करती है। प्रदर्शनी में इस पर 50 प्रतिशत तक की छूट भी दी जा रही है, जिससे किसानों में इसे खरीदने की होड़ लगी रही।

दरांती बनी मेले की स्टार, न घिसेगी और न टूटेगी

किसान ही देश की असली ताकत, आधुनिक तकनीक अपनाकर आय के नए स्त्रोत खोजें : श्याम सिंह राणा

मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि किसान ही देश की असली ताकत है, क्योंकि सुबह से रात तक की हर जरूरत का सामान किसान की मेहनत से ही मिलता है। उन्होंने किसानों से आधुनिक तकनीक अपनाने और आय के नए स्त्रोत खोजने का आह्वान किया। अतिथियों ने मेले का भ्रमण किया और ड्रोन, ट्रैक्टर, सोलर पम्प, पराली प्रबंधन, बीज, सिंचाई आदि के बारे में जाना और समझा। कुल मिलाकर, मेले का दूसरा दिन किसानों के लिए नई तकनीक, सम्मान और सस्ती खरीदारी का अनोखा संगम बनकर सामने आया।

हिसार। मेले में दरांती देखते किसान, किसानों को सम्मानित करते मंत्री श्याम सिंह राणा।

सवा लाख लोगों ने किया मेले का रुख

मेले के दोनों दिनों में लगभग सवा लाख लोगों ने पंजीकरण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। किसानों में नई तकनीकों, ड्रोन, ट्रैक्टर, सोलर पंप और सिंचाई उपकरणों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

औजारों पर 70 प्रतिशत तक छूट

रोजमर्रा के कृषि औजारों पर टूल कंपनी ने 60 से 70 प्रतिशत तक की छूट देकर किसानों को खास राहत दी। बड़ी संख्या में किसानों ने मौके का फायदा उठाकर औजार खरीदे और मेले का आनंद लिया।

अन्नदाता सम्मान समारोह में चमके

किसान मेले में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया। रेवाड़ी के कंवाली गांव के यशपाल को प्राकृतिक खेती में योगदान के लिए किसान रत्न सम्मान मिला। वहीं सूरजभान, जगतार सिंह, नसीब झोरड़, रामफल, तजेंद्र तूर, रामकुमार, रोशनी देवी और सीमा रानी सहित कई किसानों को पराली प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, ड्रोन तकनीक और विविधीकरण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

बीच सड़क बहस का वीडियो वायरल, दस्तावेज पूरे होने पर भी का काटा 8 हजार का चालान

दस्तावेज पूरे, फिर भी चालान क्यों: मैनेजर पीएम को शिकायत कर दे काटूंगा: एसआई

हरिभूमि न्यूज ⏭| हांसी

जिला सचिवालय के समीप वाहनों की चेकिंग कर रहे एक पुलिस अधिकारी और बैंक के सीनियर मैनेजर के बीच तीखी बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में बैंक मैनेजर पुलिस अधिकारी से कह रहे हैं कि जब मेरे पास गाड़ी कागज पूरे हैं तो उसकी गाड़ी का जबरन चालान क्यों किया जा रहा है? इस पर पुलिस अधिकारी और ज्यादा तैश में आ गया और कहने लगा कि मैं तो चालान करूंगा, चाहे तू प्रधानमंत्री से शिकायत कर दे।

घटना के अनुसार गाड़ी रोकते ही बैंक अधिकारी ने अपनी गाड़ी के सारे कागजात दिखाए। इसके बाद जब पुलिस अधिकारी ने उनसे अभद्र लहजे में बात की तो बैंक मैनेजर अपना फोन निकालकर वीडियो बनाने लगा। वीडियो बनाते देख पुलिस अधिकारी और ज्यादा तैश में आ गया और अपने साथी पुलिसकर्मी से कहने लगा कि इसका पुलिस का आदेश न मानने का भी चालान कर। दरअसल, वायरल हो रहे वीडियो शनिवार शाम लगभग 6 बजे का है, जिसमें हांसी अनाज मंडी चौकी इंचार्ज सब इंस्पेक्टर धर्मबीर सिंह चालान को लेकर एक कार ड्राइवर से बहस करते दिख रहे हैं। इसमें वो कार ड्राइवर पर भी तैश में आते और शहर में पिछले दिनों हुए मर्डर व चोरी की वारदात के बारे में बताते हुए दिख रहे हैं।

पुलिस अधिकारी एसआई धर्मवीर सिंह ने बहस के बाद बैंक मैनेजर विक्रांत बामल की गाड़ी का 8 हजार रुपए का चालान कर दिया। इसमें 5 हजार बिना ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने, 2000 पुलिस अधिकारी के आदेश न मानने और 1000 रुपए सीट बेल्ट नहीं लगाने का चालान किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम का विक्रांत बामल ने ही अपने फोन से यह वीडियो शूट की है।

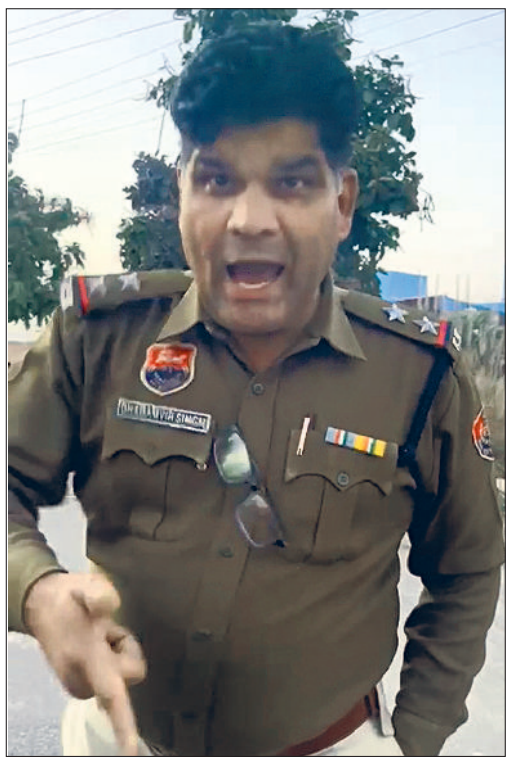

बैंक मैनेजर से बात करते समय तैश आए एसआई धर्मवीर सिंह।

परिवार के साथ घर जा रहे थे बैंक मैनेजर

कार चालक की पहचान न्यू सुभाष नगर कालोनी निवासी व इंडिया बैंक के सीनियर मैनेजर विक्रांत बामल के रूप में हुई है, जो फिलहाल इंडिया बैंक की लुधियाना ब्रांच में कार्यरत हैं। वे शनिवार को अपने परिवार के साथ हांसी के सेक्टर-5 स्थित निर्माणाधीन मकान को देखकर परिवार के साथ वापस घर लौट रहे थे।

अभद्र व्यवहार पर परिवार भी घबराया

बैंक मैनेजर ने बताया कि जिला सचिवालय के पीछे पुलिस चेकिंग के दौरान पुलिस अधिकारी ने उनकी गाड़ी रोकी और दस्तावेजों की जांच की। बैंक मैनेजर विक्रांत बामल का दावा है कि उनके पास गाड़ी के सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे थे, फिर भी पुलिस अधिकारी ने उनके साथ मौजूद पुलिस कर्मी को उनकी गाड़ी का चालान करने को कहा। उन्होंने बताया कि उस वक्त कार में उनकी माता, पत्नी और छोटे बच्चे भी मौजूद थे, जो पुलिस अधिकारी द्वारा ऊंची आवाज में अभद्र व्यवहार करने के कारण काफी घबरा गए। घटना के बाद विक्रांत बामल ने मामले की एसपी अमित यशवर्धन को लिखित शिकायत देने का फैसला किया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है।

लोगों ने भी की कार्रवाई की मांग

वायरल वीडियो में पुलिस अधिकारी कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए और यह कहते हुए सुनाई दे रहा है, कि जितनी वीडियो बना लें, चाहे प्रधानमंत्री तक शिकायत कर दो, कुछ नहीं होगा। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने भारी नाराजगी व्यक्त की है। वायरल वीडियो को लाखों बार देखा जा चुका है और हजारों लोगों ने पुलिसकर्मी के कथित व्यवहार को लेकर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस कर्मियों से की बदतमीजी

इस संदर्भ में जब अनाज मंडी चौकी प्रभारी एसआई धर्मवीर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वे शनिवार शाम को पुलिस कर्मियों के साथ जींद रोड पर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे कि इस दौरान सेक्टर-5 की ओर से आ रही गाड़ी को रुकने व बिना सीट बेल्ट लगाए गाड़ी चलाने तथा गाड़ी के डाक्यूमेंट्स दिखाने के लिए कहा। इस पर वह डाक्यूमेंट्स दिखाने की बजाए पुलिस कर्मचारियों के साथ बहस तथा मुझे सस्पेंड करवाने की धमकी देने लगा उसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था जिसके बाद यातायात नियमों के अनुसार कार का चालान किया गया है।

गोपुत्र सेना ने दो ऊंट तस्कर पकड़कर किए पुलिस के हवाले

- पिकअप में ठूंस रखे थे चार ऊंट, एक की हो चुकी थी मौत
- नोहर से भरकर मेवात ले जाए जा रहे थे, मय्यड़ के पास पकड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

मय्यड़ बस स्टैंड के पास नोहर से मेवात जा रही ऊंटों से भरी एक पिकअप गाड़ी को गोपुत्र सेना और गोरक्षा दल की टीम ने पकड़ लिया। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन चालक व परिचालक को हिरासत में ले लिया। गोपुत्र सेना के सदस्य सुनील क्रांतिकारी ने बताया कि पिकअप में चार ऊंट लदे हुए थे, जिनमें से एक ऊंट की रास्ते में ही मौत हो गई थी। बाकी ऊंटों को सुरक्षित निकालकर भीमाशंकर नंदीशाला, डोबी में उतार दिया गया।गोरक्षक पंकज सोनी के अनुसार, पुलिस ने मौके पर ही आरोपी चालक मुस्कीम और परिचालक वाहब को पकड़ लिया तथा उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया। गोपुत्र सेना के हिसार जिला उपाध्यक्ष अनिल सैनी ने बताया कि पिछले महीने भी उनकी टीम ने इसी तरह की एक पिकअप गाड़ी पकड़ी थी, जिसमें चार ऊंट लदे थे। अदालत के आदेश के बाद उन ऊंटों को राजस्थान के सिरोही स्थित महावीर ऊंटशाला में भिजवाया गया था। इस कार्रवाई के दौरान कमलजीत, दीपक योगी, संदीप गैबीपुर, सुमित पुनिया, विनोद कंकर, स्नेक मैन गौरव यादव सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बड़छप्पर में घर की दीवार के नीचे दबने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौंद

गांव बड़छप्पर में एक युवक अपने घर की दीवार के नीचे दब गया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। गांव बड़छप्पर निवासी 46 वर्षीय सोमबीर मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। शनिवार को अपने घर की दीवार तोड़ रहा था कि अचानक से दीवार उसके ऊपर गिर गई और वह नीचे ही दब गया। पास में काम कर रहे अन्य लोगों ने देखा तो वह तुरंत ही उसको बचाने के लिए भागे और उसको ईंटों के नीचे से निकाला। दीवार के नीचे दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसको इलाज के हांसी के सरकारी हॉस्पिटल में ले गए, जहां पर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्फाकिया कार्रवाई करके पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले कर दिया।

अवैध हथियार के साथ कुख्यात सुरजीत उर्फ सरदार दबोचा

- हिसार समेत कई जिलों के अलग-अलग थानों में दर्ज हैं हत्या, शस्त्र अधिनियम और लूट जैसी वारदातों के 23 से अधिक मुकदमे

हरिभूमि न्यूज ⏭| हिसार

पुलिस के वाहन चोरी निरोधक टीम ने मंगाली सुरतिया निवासी कुख्यात अपराधी सुरजीत उर्फ सरदार को अवैध असला हथियार सहित काबू किया है। एवीटी स्टाफ की टीम को गश्त के दौरान सिंघरान रोड मंगाली के पास किसी संदिग्ध के होने की सूचना मिली। पुलिस ने नाकाबंदी करके आरोपी को मौके पर काबू किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 9 एमएम का एक अवैध पिस्तोल व चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सुरजीत एक शातिर अपराधी है। हिसार सहित कई जिलों के अलग-अलग थानों में 23 से अधिक मुकदमे हत्या, शस्त्र अधिनियम व लूट आदि के दर्ज हैं। पकड़ा गया आरोपी इस समय एक अन्य मामले में जमानत पर था। पुलिस ने पकड़े गए सुरजीत उर्फ सरदार के खिलाफ आज़ाद नगर थाना में शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है।

सर्कल कबड्डी में मखंड को हराकर फाइनल में पहुंची राखीगढ़ी की टीम

राखी शाहपुर और सिंघवा राघो के बीच होगा मुकाबला

नारनौंद। राखी गढ़ी में सर्कल कबड्डी के मुकाबले में राखी शाहपुर और सिंघवा राघो के खिलाड़ी खेलते हुए।

- ऐतिहासिक गांव में सर्कल कबड्डी खेल महाकुंभ का आयोजन
- सेमीफाइनल में राखी शाहपुर की टीम ने 25 अंक बनाए, माखंड की टीम 16 अंक ही बटोर सकी

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौंद

ऐतिहासिक गांव राखीगढ़ी में सर्कल कबड्डी खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है 70 किलोग्राम भार वर्ग के रोमांचक मुकाबले में राखी शाहपुर की टीम ने मखंड को हराकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। फाइनल मुकाबला राखी शाहपुर और सिंघवा राघो के बीच खेला जाएगा।

प्रतियोगिता की आयोजक बारू राम ने बताया कि सर्कल कबड्डी के मुकाबले 70 किलोग्राम और ओपन वर्ग के रखे गए हैं। 70 किलोग्राम मुकाबले में पहला सेमीफाइनल मैच सिंघवा राघो और सीसर के बीच में खेला गया। इसमें सिंघवा राघो की टीम ने 25 अंक बनाए और सीसर की टीम ने 23 अंक बनाए इस रोमांचक मुकाबले में दो अंकों से हार का सामना करना पड़ा। सिंघवा राघो की टीम फाइनल में पहुंच गई। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला राखी शाहपुर और मखंड की टीम के बीच में हुआ जिसमें राखी शाहपुर की टीम ने 25 अंक बनाए और माखंड की टीम 16 अंक ही बटोर सकी। राखी शाहपुर की टीम विजेता रही। फाइनल मुकाबला सिंघवा राघो और राखी शाहपुर के बीच में खेला जाएगा।

प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपए व दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 41 हजार रुपए नकद इनाम दिया जाएगा। बेस्ट कैचर और बेस्ट रेडर को मोटरसाइकिल इनाम के रूप में दिया जाएगा।

खांडाखेड़ी गांव में शुरू हुई अनोखी परंपरा, परिवार ने लिया संकल्प

पर्यावरण प्रहरी बनेगी खांडाखेड़ी की कियारा, हर साल जन्मदिन पर 21 पौधे लगाकर बेटी की तरह ही पालन-पोषण करेगा परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭| नारनौंद

नारनौंद के गांव खांडा खेड़ी में बेटी के जन्म को उत्सव और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने की एक प्रेरणादायक पहल की है। गांव निवासी प्रवीण उर्फ मोनू ने अपनी बेटी कियारा के जन्मदिवस को खास बनाने के लिए हर वर्ष 21 पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया है। परिवार और ग्रामीणों ने यह निर्णय लिया कि बेटी के साथ-साथ पेड़ों का भी पालन-पोषण किया जाएगा, ताकि समाज को बेटियों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण का संदेश मिल सके। पूरे क्षेत्र में ये बात चर्चा का विषय बनी हुई है। इस अवसर पर हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष मेजर सतपाल, भाजपा नेता अजय सिंधु, चेयरमैन शमशेर मोर, सतरोल खाप प्रधान संदीप खरब, जाट धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान कृष्ण श्योकंद व जंगी खांडा खेड़ी ने भी पहुंचकर बेटी को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन शमशेर मोर, मंडल प्रधान कर्णपाल पेटवाड़, महावीर श्योराण, सोनू सैनी, मुकेश सिंधु, बलवान ठेकेदार, पूर्व सरपंच दिलबाग सिंह, आज़ाद खांडा आदि मौजूद थे।

नारनौंद : गांव खांडा ड़ी में बेटी को आशीर्वाद देते मेजर सतपाल व अन्य।

पहले ही सोचा था नई परंपरा शुरू करेंगे : प्रवीण

गांव खांडा खेड़ी निवासी प्रवीन उर्फ मोनू ने बताया कि बेटी के जन्म पर पहले ही सोचा था कि इसके जन्म दिन पर ऐसी परंपरा की शुरुआत की जाएगी जो कि समाज को संदेश देने का काम करें। आज पर्यावरण काफी दूषित हो चुका है जिसके कारण अनेक बीमारियां फैल रही है। अगर वातावरण सही होगा तो हमारा शरीर भी स्वस्थ होगा। इसी को लेकर बेटी कियारा के जन्म दिवस पर पूरे परिवार और सतरोल खाप के बीच यह निर्णय लिया कि इसके हर जन्मदिवस पर 21 पेड़ लगाकर उनकी अच्छी तरह से देखभाल की जाएगी ताकि धरती पर ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर हम धरती माता का हरा भरा श्रृंगार कर सकें।

माता पिता का नाम रोशन कर रहीं बेटियां : मेजर सत्यपाल

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष मेजर सत्यपाल ने बताया कि आज बेटियां माता-पिता का नाम रोशन कर रही है। उनके जन्म दिवस पर पेड़ लगाने की शुरुआत करना समाज को नया संदेश देने वाली पहल है। अगर सभी लोग ऐसा कर सके तो धरती पर पेड़ों की संख्या कम नहीं होगी और वातावरण स्वच्छ हो जाएगा।

मोबाइल फोन के नुकसान

मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और आंखों की रोशनी कम होने जैसी गंभीर समस्याएं हो रही हैं। यह बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को भी धीमा करता है और उन्हें सामाजिक रूप से अलग-थलग कर सकता है, साथ ही मोटापा और विटामिन डी-3 की कमी जैसी शारीरिक बीमारियां भी पैदा करता है।

जब 'ऑनलाइन' नहीं, 'आंगन' में होता था बचपन

शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं।

खेल

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

याद कीजिए अपना बचपन, जब हरियाणा की संस्कृति में खेलों का स्थान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह जीवन जीने का एक तरीका था। आज के डिजिटल युग में, जहां बचपन 6 इंच की स्क्रीन में सिमट कर रह गया है, वहीं एक दौर ऐसा भी था, जब बच्चों की दुनिया घर की देहरी से शुरू होकर पूरे गांव के गोरे, चौपालों और खेतों तक फैली होती थी। हरियाणा के बच्चे मिट्टी में पलकर बड़े होते थे।

उनके खिलौने बाजार से नहीं खरीदे जाते थे, अपितु वे खुद अपनी रचनात्मकता से उन्हें गढ़ते थे। टूटी हुई चूड़ियां, माचिस की डिब्बी, पुरानी साइकिल का टायर, और पत्थर के टुकड़े, यही उनकी दौलत थी। तब बचपन खुले आसमान और मिट्टी की सौंधी महक के बीच पलता था। शाम होते ही गलियां 'हरे समंदर गोपी चंदर' के सुरों और 'कबड्डी' की हुंकार से गुलजार हो उठती थीं। आज की सूनी गलियों को देख मन उस बेफिक्र अतीत के लिए कसकता है। आज यह आलेख उसी सुनहरे दौर, उन बिसरे खेलों और माटी से जुड़ी उन यादों को फिर से जीने का एक विनम्र प्रयास है, जो अब केवल किस्सों में शेष रह गई हैं। आइए, उस पुरानी संदूक को खोलें और यादों की धूल झाड़कर उन खेलों को फिर से याद कर इस डिजीटल पीढ़ी के साथ उन यादों को बांट लें। बचपन के शुरुआती दौर के खेल अक्सर शारीरिक बल के बजाय सुर, लय और सामूहिकता पर आधारित होते थे।

इनमें जीत-हार से ज्यादा महत्व सबके साथ होने का था। ''हरे समंदर गोपी चंदर'' तो आपको याद ही होगा, यह खेल मासूमियत का पर्याय था। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों की कल्पना की पहली उड़ान होती थी। इसमें शाम होते ही गली के बच्चे एक गोल घेरा बना लेते। बीच में एक बच्चा बैठता, जिसे 'मछली' कहा जाता था। फिर बच्चों के बीच सवालों और जवाबों का एक सिलसिला शुरू होता। बच्चों का समूह कहता, 'हरे समंदर गोपी चंदर, बोल मेरी मछली कितना पानी?' बीच का बच्चा जो मछली बना होता, वह कहता, 'इतना पानी!' (पैरों की एड़ी तक इशारा करते हुए)। इसी प्रकार पानी का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता...घुटने, कमर, पेट, गला... और अंत में जब मछली चिल्लाती 'सिर के ऊपर पानी!' या 'डूब गए!', तो सारे बच्चे खिलखिलाते हुए एक-दूसरे के ऊपर गिर जाते या डूबने वाली मछली को बचाने का अभिनय करते। यह खेल बच्चों को एकजुटता सिखाता था और काल्पनिक दुनिया में सूखी जमीन पर समुद्र महसूस कराता था। इसमें कोई प्रतिस्पर्धी तनाव नहीं था, बस निर्मल आनंद था।

'पोशम्पा भाई पोशम्पा' तो बच्चों में बहुत प्रिय खेल था। दो बच्चों द्वारा हाथ ऊपर करके और उन्हें मिलकर एक फाटक बनाया जाता और उसके नीचे से गुजरती बच्चों की रेल गाती ....

'पोशम्पा भाई पोशम्पा , लाल किले में क्या हुआ? सौ रुपये की घड़ी चुराई, अब तो जेल में जाना पड़ेगा, जेल की रोटी खानी पड़ेगी, जेल का पानी पीना पड़ेगा!'

जैसे ही गाना खत्म होता, 'फाटक' बने बच्चे अपने हाथ नीचे कर लेते और जो बच्चा अंदर फंस जाता, उसे 'कैद' कर लिया जाता। इस अद्भुत ढंग से खेल-खेल में अनजाने में ही बच्चों को सही और गलत का पाठ पढ़ा दिया जाता था कि चोरी करने पर जेल जाना पड़ता है। साथ ही, पकड़े जाने का डर और उससे बचने की फुर्ती, बच्चों में रोमांच भरती थी। फिर 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो' का अपना कमाल था। असल में, यह कोई खेल नहीं, बल्कि 'खेल शुरू करने का मंत्र' था। जब भी किसी खेल में यह तय करना होता था कि 'दाम' यानि पारी कौन देगा, तो अक्कड़-बक्कड़ ही सबसे बड़ा न्यायाधीश होता था। जिससे फैसला किया जाता था। जैसे 'अक्कड़ बक्कड़ बम्बे बो, अस्सी नब्बे पूरे सौ। सौ में लगा धागा, चोर निकल के भागा।' जिस बच्चे पर आखिरी शब्द 'भागा' आता, वह चयन से बाहर हो जाता या चुन लिया जाता। यह निर्णय लेने की सबसे लोकतांत्रिक और निष्पक्ष प्रक्रिया थी जिसे हर बच्चा मानता था।

इन सभी खेलों में एकाग्रता,कार्य कुशलता, निशाना और रणनीति जैसे व्यावहारिक गुणों का प्रशिक्षण स्वतः ही बच्चे के गुणों में शामिल हो जाते थे। कंचे खेलना एक कला थी और जेब में कंचों की खनक जैसे बच्चों में रईसी की निशानी समझी जाती थी। कच्ची जमीन पर एक छोटा सा गड्ढा जिसे 'पिल्ल' कहते थे, बनाया जाता था। हाथ की बीच वाली उंगली को खींचकर, दूसरे हाथ से कंचे को साधते हुए 'टक्क' की आवाज के साथ दूसरे कंचे को हिट करना। जो निशाना चूक गया, वह हार गया। जो जीत गया, वह सामने वाले के कंचे ले जाता। 'अंटी', 'बट्टा', 'सिप्पी' ये शब्द कंचे खेलने वालों की विशेष शब्दावली का हिस्सा होते थे। यह खेल एकाग्रता और ज्यामिति का व्यावहारिक ज्ञान देता था, वहीं जीतने का नशा और हारने पर अपने प्रिय कंचे को खोने का दुख, बच्चों को भावनाओं पर काबू करना सिखाता था। गुल्ली-डंडा तो आपने अवश्य खेला होगा जिसे यदि 'भारतीय क्रिकेट का पूर्वज' कहा जाए तो गलत नहीं होगा। एक बड़ा डंडा और एक छोटी लकड़ी की गुल्ली, जो दोनों सिरों से नुकीली होती थी। गुल्ली को डंडे से धीरे से उछालना और फिर हवा में ही जोर से प्रहार करना। गुल्ली जितनी दूर जाती, खिलाड़ी का रूतबा उतना बढ़ता। अगर विपक्षी टीम ने हवा में गुल्ली लपक ली, तो खिलाड़ी आउट। यह खेल हाथ और आंख के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण था। हरियाणा की पहचान 'पहलवान' लोगों से है और इसकी नींव बचपन के इन्हीं खेलों में पड़ती थी। कबड्डी जो हरियाणा की रगों में दौड़ता है। बिना किसी उपकरण के, केवल शरीर और सांसों के दम पर खेला जाने वाला यह खेल पौरुष का प्रतीक था। विरोधी के पाले में जाकर, बिना सांस तोड़े 'कबड्डी-कबड्डी' बोलते हुए खिलाड़ियों को छूकर वापस आना। दूसरी तरफ, डिफेंडर्स की 'चेन' बनाकर रेडर को दबोच लेना। हालांकि आज इसका आधुनिक समय में व्यवसायिक स्वरूप

देखने को मिल जाता है, जो सुखद है। कुछ इसी तरह का उदाहरण 'कुश्ती' के रूप में भी हमारे सामने है जो अतीत से लेकर आज वर्तमान में विश्वभर में प्रसिद्ध है।

आप 'पिठू' या 'सत्तोलिया' को याद कीजिए जो टीम वर्क और फुर्ती का बेजोड़ मिश्रण था। सात चपटे पत्थर और एक कपड़े की गेंद, बस यही थी खेल की सामग्री। एक खिलाड़ी गेंद से पत्थरों की मीनार गिराता। फिर उसकी टीम को उन पत्थरों को वापस एक के ऊपर एक जमाना होता, जबकि विपक्षी टीम उन्हें गेंद मारकर ऐसा करने से रोकती। गेंद लगने पर 'पिठू!' चिल्लाना। भागना, चकमा देना और गिरते-पड़ते पत्थरों को पूरा करना—यह सब अद्भुत रोमांच पैदा करता था। 'बंदर किल्ला' ग्रामीण अंचलों में बहुत लोकप्रिय खेल था। जमीन में एक कीला (खूंटा) गाड़ा जाता और उस पर लंबी रस्सी बांधी जाती। 'बंदर' बना बच्चा रस्सी पकड़ता। कीले के पास सभी बच्चों के जूते-चप्पल रखे जाते। बंदर को उनकी रक्षा करनी होती, जबकि बाकी बच्चे उन्हें चुराने की कोशिश करते। जो बच्चा बंदर द्वारा छू लिया जाता, उसे अगला बंदर बनना पड़ता। इसी प्रकार 'स्टापू' यानि 'कीड़ी-काड़ा' आमतौर पर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जमीन पर चौक या ईंट से खाने बनाए जाते। एक चपटा पत्थर (थीकरी) फेंककर, एक पैर पर कूदते हुए उसे सरकाना होता था। शरीर का संतुलन बनाए रखना और लाइन को न छूना। यह पैरों की मजबूती और धैर्य की परीक्षा थी। 'स्टापू' की तरह ही 'गिट्टे' भी ज्यादातर लड़कियों द्वारा खेला जाने वाला खेल था। जिसमें पांच छोटे पत्थरों को हथेली पर उछालना, उन्हें हवा में पकड़ना और जमीन पर गिरे पत्थरों को बिना हिलाए उठाना। यह खेल अंगुलियों के जादू जैसा था।

आंगन और गलियों की वह रौनक आज जब याद करते हैं, तो एक टीस उठती है। उन खेलों में अमीर-गरीब, जात-पात का कोई भेद नहीं था। जो अच्छा खेलता, वही सरदार होता। आज के वीडियो गेम्स ने बच्चों को कमरों में अकेला कर दिया है। पुराने खेलों में दौड़ना, कूदना, लटकना और गिरना शामिल था। इससे बच्चों की हड्डियां मजबूत होती थीं, इम्युनिटी बढ़ती थी और 'विटामिन डी' (धूप) भरपूर मिलता था। आज बच्चों में मोटापा और चश्मे आम हो गए हैं। पहले बच्चे खुद नियम बनाते थे, खुद झगड़े सुलझाते थे और खुद खिलौने बनाते थे।

आज सब कुछ 'रेडीमेड' है, जिससे उनकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है। सच कहूं तो ये सब खेल महज खेल नहीं थे। वे जीवन की पाठशाला थे। ढाई-तीन दशक पहले तक जो गलियां बच्चों के शोर-गुल से गुलजार रहती थीं, आज वे सन्नाटे में हैं। हम समय को पीछे नहीं ले जा सकते, लेकिन हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत तो सौंप ही सकते हैं। कभी वीकेंड पर मॉल ले जाने के बजाय, बच्चों को पार्क में ले जाकर 'पिठू' या 'गुल्ली-डंडा' खिलाएं। उन्हें बताएं कि 'अक्कड़ बक्कड़' में जो मजा है, वह किसी मोबाइल ऐप में नहीं। ये खेल हमारी जड़ों से जुड़े हैं, और जड़ें जितनी गहरी होंगी, भविष्य का पेड़ उतना ही ऊंचा और मजबूत होगा।

रागनी

मनोज कुमार वशिष्ठ

ऋतुराज का अभिषेक

ऋतुराज बसंत का पहरा आया, कुदरत रूप संवारा सै,
ज्ञान की देवी सरस्वती का, यो सारा जगत पुकारा सै।।

माघ महीने की शुक्ल पंचमी, मंगल घड़ी या आई सै,
बह्मा जी के कमंडल तै, जल की बूंद मुस्काई सै।
लेकै वीणा प्रकट हुई माँ, वाणी की जोत जगाई सै,
शिव का तिलक हुआ इस दिन, खुशियां जग में छाई सै।
ऋषियों ने इस दिन प्रज्ञा का, दीप अजब संवारा सै।।

कहै 'मनोज वशिष्ठ' सुणो भाई, विज्ञान का लेखा सै,
सूरज जब दिशा बदलै, यो अवसर सबनै देखा सै।
पीली सरसों खेत में झूमै, कीटों का मेल अलेखा सै,
परागण की शक्ति बढ़ जा, कुदरत का यो विशेषा सै।
विटामिन की शक्ति मिलै, सूरज का नूर करारा सै।।

पीले बाणे की महिमा भारी, मन का चाव जगावै सै,
क्रोमोथेरेपी का यो रंग, बुद्धि-तेज बढ़ावै सै।
सेरोटोनिन का स्राव बढ़ै जब, सुस्ती दूर भगावै सै,
जठराग्नि भी तेज होज्या, तन में स्फूर्ति लावै सै।
एकाग्रता और प्रज्ञा का, इसमें भेद न्यारा सै।।

कलम-दवात की पूजा करल्यो, अक्षर ज्ञान की बारी सै,
अंधकार नै मार भगाओ, प्रज्ञा की अब तैयारी सै।
हंस पै बैठी शारदा मैया, विवेक की जिम्मेदारी सै,
ज्ञान बिना यो जीवन सूना, जग में ईश्या हुश्यारी सै।
'वशिष्ठ' के विचारां नै भाई, सच का राह निहारै सै।।

कविता

कर्म चन्द केसर

कुछ ना सै

गन्दा - मन्दा फूहड़ गाणा कुछ ना सै।
लय सुर ताल बिना मुँह बाणा कुछ ना सै।

मतलब खात्तर हाथ मिल्याणा कुछ ना सै।
अपणी बोर - बड़याई गाणा कुछ ना सै।

रिश्तेदारी हो सै प्यारी बरतण की,
बात-बात पै खूँड बजाणा कुछ ना सै।

सुलफा गाँज्जा माँग धतूरा फीम बुरी,
दारु का बी पीणा-प्याणा कुछ ना सै।

बटळी करले चै कितनी धन-माया तौं,
उरियो रहजै गेल्लै जाणा कुछ ना सै।

बाँग्गे-बोळे च्यार डोंकळे लिखकै बस,
अखबारां मैं नाम छपाणा कुछ ना सै।

फास्ट फूड अर लटरम-पटरम खावैं लोग,
होटल का बी ताजा खाणा कुछ ना सै।

चाल-चलन मैं खोट मगन मोह माया मैं,
सिर टोप्पी चै भगवाँ बाणा कुछ ना सै।

जूत लगैं अर मिलैं मिठ्याई खावण नैं,
केसर इसी जगांह पै जाणा कुछ ना सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन

लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में लगवा दी थी आग, फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया

हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर राजाओं का भी रहा शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्तमान हरियाणा के एक बड़े भूभाग पर भरतपुर शासकों का 10 वर्षों तक शासन कायम रहा था। इसमें मेवात, सोहना, गुड़गाव, फरुखनगर, झज्जर, बहादुरगढ़ तथा रोहतक का क्षेत्र आता था। पानीपत की तीसरी लड़ाई के बाद महाराजा सूरजमल ने दिल्ली साम्राज्य पर स्वयं अधिकार करने का इरादा कर लिया था। अपनी उसी योजना को सफल बनाने के लिए महाराजा ने प्रथम चरण में दिल्ली के आसपास कब्जा करने की ठान ली थी। तभी दो ऐसी घटनाएं घट गई, जिससे महाराजा सूरजमल को शीघ्रता से कार्रवाई करनी पड़ी थी।

प्रथम घटना के तहत जवाहर सिंह ने पिता का तख्ता पलटने का प्रयास किया था, जिसमें दोनों बाप-बेटों के मध्य पिली पोखर नामक स्थान पर सैन्य भिड़ंत हुई थी। दूसरी घटना, जहांगीरपुर गांव के बादली परगने के मुखिया खड़क सिंह गुलिया की थी। इसके तहत नवाब फरुखनगर से एक व्यंग कर देने पर नवाब खड़क सिंह को बन्दी बनाना चाहता था, परन्तु खड़क सिंह परिवार सहित बल्लभगढ़ भाग गया और वहां के जाट शासक किशन सिंह ने उसको महाराजा सूरजमल के दरबार में पेश कर दिया। खड़क सिंह ने महाराजा को बताया कि नवाब काफी अत्याचार करता है और अगर आप सेना सहित चढ़ाई कर दें तो फरुखनगर क्षेत्र पर आपका सरलता से कब्जा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1728 से फरुखनगर एक नवाबी कायम हो गई थी, जबकि झज्जर तब एक प्रशासनिक परगना मात्र था, जो 1804 में जाकर रियासत बनी थी।

इस प्रकार परिस्थितियों का आंकलन करने के बाद महाराजा सूरजमल ने वर्ष 1762 में जवाहर सिंह को एक बड़ी सेना देकर फरुखनगर पर आक्रमण करने के लिए भेजा। खड़क सिह को भी आवश्यक सैन्य सामग्री आदि के लिए सहायता करने को कहा गया। तदानुसार जवाहर सिंह की सेना ने मेवात के रास्ते हरियाणा क्षेत्र में प्रवेश किया और घाषेड़ा के आमील बहादुर सिंह को पराजित करके तावडू आदि समस्त मेवात पर कब्जा कर लिया। उसके बाद जवाहर सिंह की सेना के फरुखनगर पहुंचने पर नवाब मुसा खां की सेना ने भयंकर गोलाबारी से स्वागत किया और जवाहर सिंह की बड़ी सेना फरुखनगर के किले के बाहर से ही दो महीनों तक गोले दागती रही। महाराजा दिल्ली के आसपास कब्जा नहीं होता देखकर स्वयं अतिरिक्त सेना लेकर फरुखनगर किले के बाहर पहुंचे और एक सप्ताह बाद नवाब को सन्धि करने का झांसा दिया गया।

महाराजा सूरजमल की तरफ से रूपराम कटारी तथा नवाब की तरफ से दिवान जादवराय ने सन्धि निर्धारित की। लेकिन सन्धि के अनुरूप नवाब मुसा खां के किले से बाहर जयपुर नहीं जाने दिया गया और परिवार सहित बन्दी बनाकर डीग के किले में भेज दिया। उसके बाद जवाहर सिंह को सेना ने बहादुरगढ़, झज्जर, दुजाना व रोहतक तक अपना अधिकार कर लिया। महाराजा वापस चला गया तथा जवाहर सिंह स्वयं फरुखनगर रहने लग गया। झज्जर पर उसने राम किशन नामक जाट को प्रशासक नियुक्त कर दिया। महाराजा का दिल्ली पर कब्जे का सपना पूरा नहीं हो सका, क्योंकि अगले वर्ष 1763 में महाराजा सूरजमल ने दिल्ली पर आक्रमण तो कर दिया लेकिन एक दिन के युद्ध के बाद शाम को धोखे से मारा गया। उसके बाद जवाहर सिह फरुखनगर पर खुशहाल राय कायस्थ को हाकिम नियुक्त करके स्वयं भरतपुर लौट गया। उससे आगे हरियाणा क्षेत्र पर भरतपुर शासकों का 9 वर्षों तक ही शासन कायम रह पाया, क्योंकि उस अवधि में एक के बाद एक चार भरतपुर राजाओं की असामयिक मृत्यु हो गई थी। 1772 में फरुख नगर नवाब होकर डिग के किले से रिहा होकर लौट आया तथा फिर से नवाबी ग्रहण करने में सफल रहा। भरतपुर शासकों एवं उनके प्रतिनिधियों ने फरुखनगर में ऐतिहासिक बावड़ी का निर्माण करवाया तथा झज्जर में महादेव मोहल्ले में एक शिवालय, दुजाना में एक दर्शनीय कुआं एवं पक्के तालाब का निर्माण करवाया था। यद्यपि उन्होंने लगान राशि की अदायगी न करने पर छारा गांव में आग भी लगवाई थी, लेकिन उनका शासन होने के कारण ही 1763-64 वाले अभियान के तहत सिख इस क्षेत्र में घुस ही नहीं पाए और जीन्द तक सीमित रहे।

फरुखनगर किले का मुख्य द्वार तथा दाएं भारतपुर शासकों द्वारा फरुखनगर में निर्मित बावड़ी, जोकि अभी तक संरक्षित है।

आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए : रितु

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

हरियाणा के हिसार आकाशवाणी की आर.जे., अच्छी शायरा और दिलों को छू लेने वाली स्टोरीटेलर रितु कौशिक कई वर्षों तक दूरदर्शन हरियाणा में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्यरत रही हैं। इन्होंने न केवल अपनी ग़ज़लों के ज़रिए साहित्य-प्रेमियों के दिलों में ख़ास जगह बनाई है

बल्कि ये डीडी उर्दू के प्रतिष्ठित कार्यक्रम "कवि हाज़िर हो" में भी अपनी शिरकत दर्ज करा चुकी हैं। कोविड लॉकडाउन के उस बेचैन और उथल-पुथल भरे दौर में, जब चारों ओर निराशा और अकेलापन पसरा हुआ था, रितु ने आकाशवाणी के एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से उम्मीद की रोशनी जलाई।

उन्होंने एक ऐसी शृंखला की शुरुआत की, जिसके मंच पर देश के अज़ीम ग़ज़लकारों और कवियों को जोड़ा। उनके साक्षात्कारों और रचनाओं के ज़रिए श्रोताओं को मानसिक संबल दिया और साहित्य के माध्यम से लॉकडाउन के अवसाद से बाहर निकलने का एक ख़ूबसूरत और सराहनीय प्रयास किया। रितु आकाशवाणी से अपने लगाव के संबंध में बताती हैं कि उन्हें बचपन से रेडियो का शौक मम्मी से मिला, जो हमेशा रेडियो सिलोन सुना करती थीं। कॉलेज के समय लेखन और काव्य गोष्ठियों से होते हुए आकाशवाणी में युवा वाणी के लिए इनका चयन हुआ और 2002 में हिसार स्थानांतरण के बाद ऑडिशन

पास कर तब से वह उद्घोषिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के रूप में कार्य करने को भी वह अपनी एक बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनके अनुसार दूरदर्शन में लाइव कार्यक्रमों की उनकी एंकरिंग की शुरुआत हुई और फिर वह न्यूज रीडर बनी।

दूरदर्शन में न्यूज रीडिंग का अपना तिलिस्म है, जिससे अधिक से अधिक लोग जुड़ना चाहते हैं। रितु बताती हैं कि न्यूज पढ़ते समय प्रवाह, आत्मविश्वास और फोटोजेनिक व्यक्तित्व का भी विशेष महत्व होता है। इच्छुक अभ्यर्थी अख़बार पढ़कर, आईने के सामने अभ्यास करें, सामान्य ज्ञान मजबूत रखें और वेकेंसी आने पर ऑडिशन दें। रितु ने एक लम्बे अरसे तक दूरदर्शन हिसार में न्यूज़ रीडर के तौर पर समय बिताया है, इसलिए दूरदर्शन का यहां से जाना उनके लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था क्योंकि यह किसानों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों और लोक कलाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच था। शायरी और ग़ज़लों के क्षेत्र मे रितु ने अच्छा नाम कमाया है लेकिन कमाल की बात यह है कि उनकी पृष्ठभूमि कभी साहित्यिक नहीं रही। उन्होंने 15 वर्ष की उम्र में ग़ज़ल लिखना शुरू कर दिया था, जो शादी के बाद छूट गया था। 15 साल बाद अपने बेटे की प्रेरणा से दोबारा लेखन शुरू किया और जल्द ही अपनी लाजवाब ग़ज़ल गोई से बड़े मुशायरों व जश्न-ए-रेख़्ता, जश्न-ए-अदब जैसे मंचों तक जा पहुंची।

आकाशवाणी में एक आरजे के तौर पर कार्य करने के अनुभव के सम्बन्ध में वह बताती हैं कि आकाशवाणी उनका पहला जुनून है, जिसने समय के साथ खुद को लगातार बदला है। आज भी तमाम माध्यमों के बीच आकाशवाणी ने श्रोताओं के दिल में अपनी अलग और खास जगह बना रखी है। आकाशवाणी स्टूडियो में एकांत में बैठकर प्रोग्राम करना यह अनुभव ही उनके लिए बेहद आनंददायक है। कभी महसूस ही नहीं होता कि अकेले बोल रहे हैं। श्रोताओं से बढ़ता स्नेहिल जुड़ाव और लाइव कार्यक्रमों में उनके संदेश इसे और खास बना देते हैं। प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में मूलभूत अंतर के प्रश्न पर रितु जी का मानना है कि है कि प्राइवेट एफएम और आकाशवाणी में लहजे व कंटेंट का फर्क है। आकाशवाणी शालीन, मर्यादित और लोक संस्कृति से जुड़ा माध्यम है, जो हर वर्ग के लिए कार्यक्रम देता है।

स्वयं उनके शब्दों में- 'मेरे लिए आकाशवाणी सर्वोपरि है और समय के साथ अपडेट होकर इसने आज भी अपनी मजबूत पहचान बनाए रखी है। कोरोना काल में स्टूडियो इंटरव्यू संभव न होने पर ऑनलाइन रिकॉर्डिंग से "साहित्य कलश" शृंखला शुरू की, जिसमें हरि ओम पंवार, सुरेंद्र शर्मा, चंदन दास, अरुण जैमिनी, वसीम बरेलवी, राजेश रेड्डी और फहमी बदायूंनी जैसे प्रतिष्ठित कवि-शायर शामिल हुए। नर्म लहजे, साफ़ तलफ्फुज़ और मधुर आवाज़ वाली रितु कौशिक अमीन सयानी को सुनकर बड़ी हुईं, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। रितु के अनुसार आकाशवाणी के उद्घोषक को साहित्य से भी जुड़ा होना चाहिए क्योंकि उसका रचनात्मक होना बेहद ज़रूरी है। पहले गूगल भी नहीं था, तब हर ओपनिंग-क्लोज़िंग खुद लिखनी पड़ती थी। आज एआई मदद कर सकता है, लेकिन साहित्यिक ज्ञान ही किसी कार्यक्रम को सच में बेहतर बनाता है।

बच्चों को शुरू से ही शुद्ध हिंदी सिखाएं

आरजे रितु कौशिक कहती हैं कि स्कूल के साथ माता-पिता का भी दायित्व है कि बच्चों को शुरू से शुद्ध हिंदी सिखाएं, क्योंकि क्षेत्रीय बोली वे स्वाभाविक रूप से सीख लेते हैं। उनके विचार से व्यक्तित्व विकास और आगे बढ़ने के लिए अपनी बोली, हिंदी और अंग्रेज़ी तीनों का अच्छा ज्ञान जरूरी है।

खबर संक्षेप

शिक्षा व्यवस्था में इग्नू निभा रहा भूमिका : सैनी

हिसार। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के जनवरी 2026 प्रवेश सत्र के प्रचार-प्रसार के लिए रविवार को राजकीय महाविद्यालय हिसार स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र की ओर से साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। यह साइकिल रैली जवाहर नगर, डिफेंस कॉलोनी, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर तथा गांव गंगवा सहित विभिन्न क्षेत्रों से होकर निकाली गई, जिसका उद्देश्य आमजन एवं युवाओं को इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली तथा चल रही प्रवेश प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विवेक सैनी ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने 'यंग इंडिया, फिट इंडिया' का संदेश देते हुए कहा कि इग्नू भारत की शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से लाखों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहा है।

जिंदल पार्क में धूमधाम से मनाया मातृ-पितृ दिवस

हिसार। संत आसाराम योग वेदांत समिति की आरे से ऑटो मार्किट के पास स्थित जिंदल पार्क में मातृ पितृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बच्चों ने अपने माता पिता की पूजा की और माता पिता ने बच्चों को आर्शीवाद दिया। कार्यक्रम में नलवा के विधायक रणधीर पनिहार मुख्य अतिथि रहे जबकि मेयर प्रवीण पोपली अति विशिष्ठ के तौर पर पहुचे। साथ एसडीएम राजेश खोथ भी पहुंचे। इस मौके पर अधिवक्ता समाजसेवी साधिका अरोड़ा, प्रवीण हिंदू, सुशील कौशिक, विजय कौशिक युवा संघ अध्यक्ष, जयभगवान, प्रवीन मैनेजर, मौजूद थे।

कटारिया का अंडरपास कमेटी ने किया स्वागत

उकलाना। अंडरपास की मांग पर चल रहा धरना 31वें दिन में पहुंच गया। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के मीडिया सलाहकार सुधीर कटारिया मौके पर पहुंचे, जहां अंडरपास कमेटी के सदस्यों ने उनका स्वागत किया। सुधीर कटारिया ने धरना स्थल पर कमेटी के सदस्यों से मुलाकात की तथा लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता से स्टेटस रिपोर्ट की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कमेटी की जायज मांग पर सरकार जल्द ही सकारात्मक विचार करेगी। उन्होंने धरना कमेटी से आग्रह किया कि इस मुद्दे को राजनीति का अखाड़ा न बनने दें। इस अवसर पर प्रधान कपूर सिंह, बलजीत नंबरदार, रिंकू वर्मा, रघुवीर सिंह, श्रीनिवास लांबा आदि मौजूद रहे।

जिले में विभिन्न स्थानों पर हुए भव्य आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी आस्था

धूमधाम से मनाई महाशिवरात्रि गूंजे 'बम -बम भोले' के जयकारे

जल,दुग्ध, दही, बेलपत्र, अर्पित करके परिवार की सुख समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

महा शिव रात्रि का पर्व जिलेभर में धूमधाम से मनाई गई। विभिन्न स्थानों पर आयोजिक कार्यक्रमों में शिव भोले के जयकारे गूंजते दिखाई दिखाई दिए। मुख्य रूप से जिले के दो बड़े मंदिरों किरमारा धाम व सीसवाल के शिवालय धाम में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

हिसार के सेक्टर 16-17 स्थित श्री श्याम मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। अल सुबह से ही भक्तजनो ने कतारो में लगता शिव परिवार को जल,दुग्ध, दही, बेलपत्र, फल अर्पित करके अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर शिव परिवार का फूलों से आलौकिक सिंगार किया गया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के प्रधान दिनेश बिंदल, त्रिलोक बंसल, सुभाष बंसल, आशीष जैन, दिनेश गोयल, विनोद जिंदल, राजकुमार जैन मौजूद रहे।

बाबा बालकनाथ मंदिर में धूमधाम से मनाया महाशिवरात्रि पर्व : हिसार के तरसेम नगर के सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर मैं आगमन शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से मन्नत मांगी।

हिसार। बाबा बालक नाथ मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु, आदमपुर के सीसवाल धाम में जलाभिषेक करते श्रद्धालु तथा इनसेट में भगवान फूलों से सजा शिवलिंग।

सीसवाल धाम में लगा जाम, आदमपुर हुआ शिवमय

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर आदमपुर व आसपास के शिवालयों में शिवभक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला। कस्बे के सभी मंदिरों में सुबह से ही शिव भक्तों की भीड़ उमडऩी शुरू हो गई। गांव सीसवाल के शिवालय मंदिर में रविवार को हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। भीड़ का आलम यह था कि सडक़ पर कई घंटों तक जाम लग गया। आदमपुर थाना प्रभारी विकास कुमार ने दलबल सहित मौके पर पहुंचकर कई बार जाम को खुलवाया। मंदिर में जुटी भारी भीड़ ने मेले में लगी विभिन्न प्रकार की स्टालों व झूलों का आनंद उठाया। इस मौके पर मंदिर कमेटी प्रधान घीसाराम जैन, तरसेम गोयल, राकेश शर्मा, सुभाष गोयल ऐलनावाद, पूर्व सरपंच रोहताश सैनी, डा.शेर सिंह सैनी, अजीत सिंह, सुभाष तरड़, रामकुमार दांवा, अनिल सिंगला, रोहताश शेरड़ा, नरेश गोयल, अमित गोयल, बबलू खिचड़, संदीप गोयल, दलीप बैनीवाल, सुरेश भादू, ओमप्रकाश आदि मौजूद रहे।

राजगुरु मार्केट में खीर का प्रसाद बांटा

शिव शक्ति सेवा समिति की ओर से महाशिवरात्रि के पर्व पर राजगुरु मार्किट में नीलकंठ महादेव को खीर का भोग लगवाकर प्रसाद का वितरण किया गया। समिति के प्रधान कृष्ण कांगड़ा ने बताया कि समाजसेवी सुरेश जैन के सान्निध्य में सवा दो क्विंटल दूध की सांवक से बनी खीर श्रद्धालुओं में बांटी गई। मुख्यातिथि के रुप में पहुंचे भाजपा नेता अजय कांत जांगड़ा, समाजसेवी महेन्द्र सिंह जटासरा व आरती ठाकुर ने समिति सदस्यों के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सेवादार अनिल सिंगला, पंकज बाबा, सुभाष रहेजा, गोल्डी बत्रा, हितेश अग्रवाल, रवि खन्ना मौजूद रहे।

शिवरात्रि पर हुआ कीर्तन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनिल कुमार पिंटा के निवास पर कीर्तन का आयोजन किया गया। कीर्तन में अनिल कुमार पिंटा के परिजनों, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों एवं श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। भजन कीर्तन में हर-हर महादेव एवं बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने कीर्तन के माध्यम से भगवान शिव से परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख समृद्धि की कामना की। संपूर्ण कार्यक्रम श्रद्धा, अनुशासन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मोक्ष वृद्धाश्रम में हवन-यज्ञ संपन्न

मोक्ष वृद्धाश्रम में महाशिवरात्रि पर पांच दिवसीय हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। हर रोज प्रातः हवन करते हुए भगवान शिव व अन्य देवी-देवताओं की आराधना की गई। महाशिवरात्रि पर मोक्ष वृद्धाश्रम में अलग ही आभा देखने को मिले। प्रातःकाल स्नान करके सभी बुजुर्ग हवन के लिए एकत्र हुए और फिर शुरू हुआ मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डालने का सिलसिला। मोक्ष वृद्धाश्रम की संरक्षक मां पंकज संधीर व प्रधान विजय भृगु ने बताया कि मोक्ष वृद्धाश्रम में लावारिस, परिवार से बिछड़े व अवसाद के कारण अपने घर से दूर निकल आए बुजुर्गों की समुचित देखभाल निशुल्क की जाती है।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में महाशिवरात्रि पर आयोजित विशेष मेडिटेशन में हिस्सा लेते साधक। फोटो : हरिभूमि

ओशो ध्यान उपवन में करवाया मेडिटेशन

शिव पूर्ण शून्यता और पार्वती प्रेम की प्रतीक : ओशो

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को समझाया शिव के असली स्वरूप का महत्व
- शिव आराध्य तो हैं ही लेकिन इसके साथ भगवान शिव ऊर्जा, चेतना और परम जागरूकता के प्रतीक भी हैं

महाशिवरात्रि पर ओशो ध्यान उपवन में विशेष मेडिटेशन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रेम की गहराई-शिव शक्ति ऊंचाई विषय पर आधारित ध्यान सत्र भी आयोजित हुआ। इसके साथ ही महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। विशेष मेडिटेशन में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने हिस्सा लिया और ध्यान विधियों का अभ्यास किया। इस दौरान स्वामी संजय व मां सांची ने महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए शिव के असली स्वरूप को समझाया।

स्वामी संजय व मां सांची ने कहा कि शिव आराध्य तो हैं ही लेकिन इसके साथ वे ऊर्जा, चेतना और परम जागरूकता के प्रतीक भी हैं। उन्होंने कहा कि अस्तित्व के रहस्य को समझने के लिए बाहरी चीजों में उलझने की अपेक्षा ध्यान करते हुए अपने भीतर उतरते हुए सत्य से साक्षात्कार होगा। उन्होंने समझाया कि भीतर की ओर यात्रा करते हुए इंसान शिवत्व को प्राप्त कर सकता है। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में आयोजित प्रेम की गहराई-शिव शक्ति ऊंचाई ध्यान सत्र के दौरान साधकों को सतगुरु ओशो के संचित प्रवचन सुनने का भी अवसर मिला।

ओशो ने शिव-सूत्र के माध्यम से शिवत्व को बड़ी सरलता से समझाया है। ओशो के अनुसार शिव पूर्ण शून्यता का प्रतीक हैं और पार्वती पूर्ण प्रेम का। जब शून्यता और प्रेम मिलते हैं, तब जीवन में समग्रता आती है। ओशो ने कहा है कि शिव का ध्यान करते हुए का स्वरूप ध्यान की चरम स्थिति है, जहां कोई भी बाहरी चीज व्यक्ति को प्रभावित नहीं कर सकती। शिव सांसारिक गतिविधियों से परे हिमालय की बर्फीली चोटियों पर ध्यान में मग्न रहते हैं।

हांसी। पत्रकारों से बातचीत करते सांसद दीपेंद्र हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस से डरकर भाजपा ने पलटा पेंशन का फैसला : दीपेंद्र

हांसी। रोहतक लोकसभा से सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन से डरकर भाजपा सरकार ने बुढ़ापा पेंशन काटने का फैसला पलटा और घोषणा कर दी कि सारी पेंशन दोबारा से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह हमारे संघर्ष की जीत है। सचिन पूनिया के कार्यालय पहुंचे सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने शनिवार को बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस बुजुर्गों की पेंशन कटने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि एचपीएससी भर्ती में 80 प्रतिशत नौजवान दूसरे प्रदेशों से आ रहे हैं और हरियाणा के नौजवान खाली बैठे हैं। विधानसभा चुनाव में हरियाणा का हर आदमी कांग्रेस सरकार बनाने का फैसला कर चुका था लेकिन भाजपा ने बेईमानी, वोट चोरी, धनबल का उपयोग करके सत्ता हासिल की है। इस दौरान नारनौंद से विधायक जस्सी पेटवाड़, उकलाना से विधायक नरेश सेलवाल, नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि सुमन शर्मा, राहुल मक्कड़, पार्षद आशीष,पार्षद नितेश शर्मा, विकास आदि मौजूद रहे।

हैप्पी पब्लिक स्कूल में जूनियर ने सीनियर विद्यार्थियों को दी विदाई

- हर इंसान को जिंदगी में अपने व्यवहार व कर्तव्य को निभाना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏩ हांसी

हांसी। विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती स्कूली छात्राएं।

हैप्पी पब्लिक स्कूल में नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक व प्राचार्य सुरेंद्र बेरवाल, उप प्राचार्या नीलम चुघ ने विद्या की देवी मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें डिस्पोजल कप व बैलून मैनेज गेम शामिल रहे। दसवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य सुरेंद्र बेरवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर इंसान जो शिक्षा से संबंधित है उसकी जिंदगी में यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होता है कि वह कहीं से विदाई लेता है लेकिन इसके साथ साथ उसके संस्कार व शिक्षकों के साथ उसका व्यवहार हमेशा स्कूल में रहता है। हर इंसान को जिंदगी में अपने व्यवहार और कर्तव्य को अच्छे तरीके से निभाना चाहिए। पुष्प को मिस्टर फेयरवेल पुष्प व महिमा को मिस फेयरवेल के सम्मान से सम्मानित किया गया।

न्यूज डायरी

आचार्या मां साक्षी ने करवाई सोहम ध्यान की साधना

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ के तत्वाधान में हिसार संघ की ओर से साप्ताहिक संडे ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या मां साक्षी ने किया। उन्होंने उपस्थित साधकों को सोहम ध्यान की गहन साधना करवाई। आचार्या मां साक्षी ने बताया कि सोहम एक प्राचीन आध्यात्मिक मंत्र है, जिसका अर्थ है-मैं वही हूं अर्थात आत्मा और परमात्मा की एकता का अनुभव। सोहम ध्यान श्वास के साथ किया जाने वाला एक प्रभावशाली ध्यान है। श्वास अंदर लेते समय मन ही मन सो का उच्चारण और श्वास बाहर छोड़ते समय हम का स्मरण। इस प्रक्रिया से मन स्थिर होता है और भीतर की शांति जागृत होती है।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा रविवार को हुई संपन्न, हजारों प्रेमियों ने लिया नियमित भाग

हिसार। श्री प्रयागगिरि शिवालय ट्रस्ट में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा रविवार को सम्पन्न हो गई। कथा में हजारों की संख्या में धर्म प्रेमियों ने हर रोज भाग लिया। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के अंतिम दिन साध्वी करुणागिरि ने बताया कि जिस प्रकार हर मोबाइल या कंप्यूटर में एंटी वायरस होता है, उसी तरह हर इंसान में आत्मा रूपी एंटी वायरस लगाया हुआ है। जो बुराई रूपी वायरस को पहचान लेता है और मस्तिष्क को आदेश देता है कि उसे हटा दिया जाए तो मस्तिष्क उसे तुरंत प्रभाव से हटा देता है। प्रधान बजरंग गर्ग ने नलवा विधायक रणधीर पनिहार, सीनियर एडवोकेट पीके संधीर, समाजसेवी विजय ग्रोवर, मनोज गर्ग, ओमप्रकाश कोहली, ओमप्रकाश, राजेंद्र बंसल को संस्था ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

हिसार। कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे व उपस्थित स्टाफ सदस्य।

विद्यार्थियों को समझाया आध्यात्मिक मूल्यों का महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल खाराखेड़ी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान शिव की वंदना से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता से भर दिया।

कार्यक्रम में आठवीं कक्षा की छात्रा दिशा ने प्रभावशाली तथा आत्मविश्वासपूर्ण ढंग से मंच संचालन का कार्यभार संभाला। कार्यक्रम की निरंतरता के दौरान कक्षा तीसरी की छात्रा मायरा ने भगवान शिव को समर्पित एक सुंदर एवं भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की। मानवी द्वारा महामृत्युंजय मंत्र का पाठ किया गया। इसके पश्चात परमंजय और खुशप्रीत ने महाशिवरात्रि के महत्व पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किया। उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों ने विद्यार्थियों को आध्यात्मिक मूल्यों, संयम और जीवन के सकारात्मक दृष्टिकोण का महत्व समझाया।

महाशिवरात्रि के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कक्षा दूसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां रहीं, जिसमें शिव तांडव का प्रदर्शन प्रशंसनीय रहा। कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, उत्साह और समर्पण से शिव स्तोत्र का सामूहिक गान किया।

स्कूल निदेशक डॉ. युद्धवीर सिंह, स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्स्ना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा (रिटायर्ड), प्रिंसिपल जानूप्रिया कथूरिया ने सभी को महाशिवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दी। डॉ. ज्योत्स्ना ने कहा कि वसंत ऋतु भारतीय कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष के आरंभ का प्रतीक है और उसका पहला पर्व महाशिवरात्रि होता है जो सबके लिए सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। इस दिन किया जाने वाला उपवास भी शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।

कुलपति ने किया एमबीए विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर 2025-26 का औपचारिक विमोचन

वर्तमान में प्लेसमेंट की गुणवत्ता को और बेहतर करने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत : प्रो. नरसी

खास बातें

- प्लेसमेंट प्रक्रिया संतोषजनक है, लेकिन आने वाले समय में संख्या के साथ-साथ गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। एमबीए विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर 2025-26 का विमोचन करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस (एचएसबी) में एमबीए विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ब्रोशर 2025-26 का औपचारिक विमोचन कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कुलपति कार्यालय में किया। इस अवसर पर डीन प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई, निदेशक प्रो. संजीव कुमार, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक डॉ. प्रताप सिंह तथा समन्वयक डॉ. प्रमोद, डॉ. पूजा गोयल, डॉ. प्रेरणा टुटेजा, डॉ. अंजली गुप्ता और डॉ. सचिन उपस्थित रहे।

कुलपति ने दी बधाई

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान सत्र में प्लेसमेंट प्रक्रिया संतोषजनक है, लेकिन आने वाले समय में संख्या के साथ गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी माहौल में विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल, व्यावसायिक समझ और नैतिक मूल्यों से सशक्त बनाना जरूरी है, जिसमें एचएसबी के प्रयास सराहनीय हैं।

ये बोले डीन

डीन प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें व्यावहारिक और उद्योगोन्मुख शिक्षा देने पर जोर देता है। वहीं, निदेशक प्रो. संजीव कुमार ने बताया कि ब्रोशर विद्यार्थियों की प्रतिभा, प्रशिक्षण और संस्थान की अकादमिक संस्कृति का प्रतिबिंब है तथा अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों को कैंपस से जोड़ने के प्रयास जारी हैं।डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट सेल उद्योग से समन्वय कर बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रोशर में विद्यार्थियों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि, कौशल, इंटर्नशिप और विशेषज्ञताओं का विस्तृत विवरण शामिल है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सभी कर्मचारियों के प्रयासों से ऊंचाई पर पहुंचा विश्वविद्यालय : प्रो. कम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- हकृवि में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए हुआ सेवा सम्मान समारोह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन के सभा कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सेवा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने तीन माह के दौरान 33 सेवानिवृत्त हुए विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट करके सम्मानित किया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनकी सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर विश्वविद्यालय को ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है। यह सभी के प्रयासों का ही नतीजा है कि विश्वविद्यालय आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक नवीन जैन ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का स्वागत किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

ये हुए सेवानिवृत्त

वैज्ञानिकों में डॉ. बीना यादव, डॉ. दिलबाग सिंह, डॉ. मनोज कुमार शर्मा, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. विनोद कुमारी, डॉ. राजेश कुमार यादव, डॉ. राम अवतार व डॉ. राजेन्द्र सिंह शामिल हैं। गैर-शिक्षक कर्मचारियों में नरेश कुमार तायल, यशपाल शर्मा, सुभाष, सुभाष चन्द्र, जगदीश शर्मा, उदयबीर सिंह, सुभाष चन्द्र, सुभाष चन्द्र, महेन्द्र सिंह, दलबीर सिंह, नारायण दत्त पांडे, चमन लाल, बलबीर सिंह, यशवंत सिंह, महाबीर सिंह, जगदीश प्रसाद, महाबीर सिंह, रणबीर, बलवंत सिंह, बलवान सिंह, कुल बहादुर, नंद लाल, दर्शन कुमार, स्वीटी पाहवा तथा राम रती शामिल हैं।

खबर संक्षेप

हांसी। रक्तदान करने वाले युवाओं की हौसलाफजाई करते कपिल महाराज।

शिविर में 71 यूनिट रक्त किया संग्रहित

हांसी। कुम्भा गांव स्थित मंदिर में भंडारे व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में महाराज कपिल जी ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की तथा शिविर की अध्यक्षता की। जानकारी देते हुए राज सिंह ने बताया कि हर साल की भांति 15वीं बार रक्तदान व भंडारे का आयोजन किया गया है। भंडारे व रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। तथा युवा शक्ति के साथ मातृशक्ति ने भी रक्तदान में अपना सहयोग किया तथा रक्तदान। रक्तदान शिविर में अग्रोहा मेडिकल टीम की अगुवाई में डॉक्टर रिचा में की अध्यक्षता में 71 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। रक्तदान शिविर रामनिवास लोहान ने 134वीं बार रक्तदान किया।

ब्लूमिंग डेल्स स्कूल में हरिहर मंदिर बस्ती के भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन

धर्म वही जो सभी के कल्याण की कामना करे : राजदास महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

जवाहर नगर स्थित हरिहर मंदिर बस्ती आयोजन समिति की ओर से ब्लूमिंग डेल्स स्कूल में भव्य हिंदू सम्मेलन हुआ। आयोजन स्थल पर सुबह यज्ञ हुआ। कुमारी ईशु, मीनाक्षी शर्मा, रीता शर्मा एवं चेतना के मार्गदर्शन में श्री हनुमान मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ हुई तथा आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय चेतना के गीत गाते हुए बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष वर्ग आयोजन स्थल पहुंचे। कृष्ण प्रणामी आश्रम के संस्थापक श्री श्री 1008 स्वामी राजदास महाराज एवं आचार्य स्वामी नरेशानंद ब्रह्मचारी के परम सानिध्य में दीप प्रज्वलन द्वारा सम्मेलन का शुभारंभ किया गया। सम्मेलन समिति के संयोजक इंद्र सिंह राठी सह संयोजक भगत चंद द्वारा अतिथि गण को अंगवस्त्र समर्पित कर स्वागत किया गया।

स्वामी राजदास महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि धर्म वह होता है, जो सभी के कल्याण की कामना करता है। सनातन हिन्दू धर्म में हम कण-कण में भगवान को देखते हैं तथा पर्वत, नदी, समुद्र, वृक्ष आदि समस्त प्रकृति में देवत्व की भावना रखते हैं और सबके सुखी होने की कामना करते हैं। हिन्दू समाज में अपने धर्म के प्रति जागरण आवश्यक है, इसलिए प्रत्येक हिंदू सप्ताह में एक बार अपने बच्चों को मंदिर में अपने साथ लेकर के जाएं तथा अपने-अपने कुल देवता के विषय में समझाएं, तब होगा हिंदू जागरण।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानस योग साधना के प्रांत प्रभारी अधिवक्ता सत्यनारायण शर्मा उपस्थित रहे तथा सामाजिक समरसता व कुटुंब प्रबोधन पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि हमें अपने हिंदू परिवारों को संगठित रखते हुए सामाजिक समरसता बनानी चाहिए। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप सिहाग ने समाज में व्याप्त नशे को दूर करने के लिए अपना मंतव्य रखा।

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रांत सह व्यवस्था प्रमुख आदिश ने संघ की शताब्दी वर्ष पर समाज के सहयोग द्वारा समाज के उत्थान के लिए विविध संगठनों के माध्यम से किए गए कार्यों पर अपना विषय रखा। सम्मेलन का संचालन कर रहे आचार्य पवन वत्स ने हिंदू समाज में हो रहे मतांतरण के प्रति सजग करते हुए मिशनरियों से सावधान रहने के लिए कहा। ब्लूमिंग डेल्स स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के भजनों पर झूमते हुए भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत किया।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी, अतिथि व गणमान्य व्यक्ति। फोटो : हरिभूमि

नाटक से दिखाया भागवत प्रसंग

लक्ष्मी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा श्रीमद् भागवत के प्रसंग को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। पिंकी उपाध्याय द्वारा राष्ट्र चेतना व आध्यात्मिक भजनों की प्रस्तुति ने सभी को आनंद-विभोर कर दिया। समारोह का समापन आरती-निरंजन से हुआ। गौड शिक्षण संस्थान के निदेशक हरिकिशन शर्मा ने उपस्थित हिंदू समुदाय का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में प्रेम आहूजा, दीपक गौतम, ऋषिपाल शर्मा, ललित राठी, जोगीराम खुंडिया, कैप्टन तुलाराम, विभाग संचालक पवन जिंदल, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य पवन कौशिक, अनिल गोयल, विवेक पाठक, अंबिका प्रसाद, अशोक सिंधवानी, राजेश, डॉ. अनिल जी, सुरेश शास्त्री, आनंद, संजय, रीतु सुनेजा, हवासिंह वत्स, के के सेहरा, रोहतास शर्मा, कुलभूषण रहबर, रोशनलाल जांगड़ा, योगेंद्र शर्मा, पिंकी शर्मा, चेतना कौशिक, रीटा शर्मा, शिवपूजन मिश्रा, सोम प्रकाश भारद्वाज, रितु सुनेजा, प्राचार्य सुनील दत्त, प्राचार्य बंता सिंह, नितेश शास्त्री, डॉ. शैलेंद्र, अशोक यादव, ओम प्रकाश शर्मा, प्राचार्य जसवंत, सुशील शास्त्री, विनोद शास्त्री आदि उपस्थित रहे।

एक नजर में

सुलखनी में गुरु रविदास की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम

बरवाला। क्षेत्र के गांव सुलखनी में रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की भव्य मूर्ति स्थापना समारोह श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। समारोह में लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने गुरु रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

पुलवामा के अमर शहीदों की स्मृति में रक्तदान

हिसार। समाज सेवा और मानवता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, भाग्यश्री महिला आश्रम ने पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों की पुण्य स्मृति में छठा रक्तदान महोत्सव बड़ी ही भावुकता और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक आयोजित किया। बाला वर्मा ने कहा कि यह महोत्सव न केवल रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने का एक पवित्र संकल्प था, बल्कि उन वीर सपूतों के प्रति गहन श्रद्धांजलि भी था, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। इस महान कार्य में भाग्यश्री महिला आश्रम के सभी सदस्यों, स्थानीय नागरिकों, युवाओं, महिलाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कुल 80 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

टैलेंट हंट कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हिसार। कर्म कल्याणी वेलफेयर सोसायटी की ओर से गुरु नानक स्कूल, मॉडल टाउन में ए सेलिब्रेशन ऑफ टैलेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक बच्चों ने डांस, ड्रॉइंग एवं कविता वाचन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सभी प्रतियोगिताएं अलग-अलग आयु वर्ग में आयोजित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में वार्ड-3 की पार्षद ज्योति वर्मा उपस्थित रहीं। अभिभावकों के लिए भी विशेष गेम्स का आयोजन किया गया, जिसे मालाबार (गोल्ड डायमंड) द्वारा संचालित किया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का आनंद उठाया।

अमृता देवी इंटरनेशनल स्कूल में दंत जांच शिविर

हिसार। स्माइल फॉर यूथ कार्यक्रम के तहत डॉ. सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री टीम ने कालवास गांव में बस स्टेंड के निकट स्थित अमृता देवी इंटरनेशनल स्कूल में दो दिवसीय निशुल्क डेंटल चैकअप एवं जागरुकता कैंप लगाया। कैंप में डॉ. सचिन मित्तल एडवांस डेंटिस्ट्री की टीम से डॉ. मुदिता के बाहेती, डॉ. मनीष राय और अभिषेक पांडे ने बच्चों के दंत स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें टुथब्रश करने का सही तरीका समझाया। इस कैंप में करीब 420 बच्चों की मौखिक स्वास्थ्य जांच की गई। कुछ बच्चों का एआई डेंटल रोबोट मशीन से दंत परीक्षण किया गया। एआई डेंटल मशीन के द्वारा मुंह की जांच करके दांतों से सम्बन्धित बीमारियों से उन्हें अवगत कराया गया। टीम ने बच्चों को बताया कि इस टेक्नोलोजी से मुंह की हर मौखिक समस्या का समाधान किया जा सकता है। टीम द्वारा बताया गया कि वे पिछले काफी समय से अभियान चलाए हुए हैं जिसके तहत वे दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रहे है। भविष्य में भी ऐसे कैंप लगाए जाते रहेंगे।

दिव्य ज्योति सेंट्रल स्कूल का वार्षिक समारोह

हिसार। दिव्य ज्योति सेंट्रल स्कूल का वार्षिक समारोह स्कूल परिसर में हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के संचालक अनिल शर्मा सातरोडिया ने बताया कि समारोह में जिला पुलिस उपाधीक्षक विनोद शंकर ने मुख्य अतिथि के रूप शामिल होते हुए नन्हे मुन्ने बच्चों की प्रस्तुतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों को मानसिक मजबूती प्रदान करते हैं। इसके साथ साथ हांसी के तहसीलदार अनिल बिढ़ान अति विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में उपस्थित हुए। स्कूल संचालक अनिल शर्मा सातरोडिया एवं प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने बच्चों के लिए शिक्षा में उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्कूल के वार्षिक समारोह में शामिल सभी अभिभावकों एवं अन्य सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में मंच संचालन मानसी, श्रीयशी एवं ध्रुव शर्मा द्वारा किया गया।

सरकार ने अनाप-शनाप शर्तें लगाकर दिव्यांगों को निराश करके घर भेजा : ऋषिकेश राजली

हिसार। जिले के विभिन्न ब्लाकों में 9 फरवरी से 15 फरवरी तक अलिम्को कंपनी की ओर से रेडक्रॉस के मार्फत विकलांगों के लिए कृत्रिम अंगों के लिए कैंप लगाए गए। कैंपों के बावजूद दिव्यांगों को कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि सरकार की अनाप शनाप शर्तों की वजह से दिव्यांगों को निराश होकर घर लौटना पड़ा। मंच के महासचिव ऋषिकेश राजली ने कहा कि सरकार द्वारा कैंपों की तैयारी को देखकर स्पष्ट दिखता है कि सरकार ने कच्ची-पक्की तैयारी के साथ कैंप लगाए हैं। तीन से पांच साल की समय सीमा बढ़ाकर ज्यादातर दिव्यांगों को निराश होकर अपने घर लौटना पड़ा, इसके लिए प्रशासन ने दिव्यांगों को पहले कोई सूचना नहीं दी, यूडीआईडी कार्ड पुराने मेडिकल प्रमाण पत्र पर बना होने, को अमान्य करने पर भी काफी दिव्यांग अपना रजिस्ट्रेशन करवाने से वंचित रह गए, जिसकी सूचना प्रशासन ने पहले नहीं दी, पीने के पानी, बैठने की उचित व्यवस्था का न होना, जरूरत के हिसाब से व्हीलचेयर का न होना और न ही रेडक्रॉस द्वारा वालेंटियर की पूरी व्यवस्था रही।

पांच हजार मीटर वॉकिंग रेस में प्रथम रहने पर कविता सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

हांसी। मुख्य सिपाही कविता को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित करते एसपी अमित यशवर्धन। फोटो : हरिभूमि

पांच हजार मीटर वॉकिंग रेस में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर हांसी पुलिस की मुख्य सिपाही कविता को पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। एसपी ने सिपाही कविता के ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। हाल ही में आयोजित सातवीं नेशनल मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप-2026 का आयोजन पटेल सिंथेटिक स्टेडियम, अजमेर राजस्थान में किया गया, जिसमें देशभर से खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 5000 मीटर वॉकिंग रेस में मुख्य सिपाही कविता ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर हांसी पुलिस का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। इससे पूर्व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन पंचकूला में किया गया था, जिसमें भी मुख्य सिपाही कविता ने 5000 मीटर रेस में प्रथम स्थान, जैवलिन थ्रो में प्रथम स्थान तथा एक अन्य स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मुख्य सिपाही कविता की यह उपलब्धि न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन से अन्य पुलिसकर्मियों एवं युवाओं को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर नवीन बूरा की हल्दी रस्म संपन्न

हिसार। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज नवीन बूरा के विवाह से पूर्व हल्दी रस्म का कार्यक्रम धूमधाम और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और गांव के गणमान्य लोग मौजूद रहे तथा सभी ने नवीन को हल्दी लगाकर उनके उज्ज्वल वैवाहिक जीवन की कामना की। नवीन बूरा के पिता जयबीर बूरा ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी के मंचों पर कई पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले उनके 26 वर्षीय बेटे नवीन बूरा अब जीवन की नई और अहम पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। उनका विवाह 22 वर्षीय सिमरन के साथ 19 फरवरी को होगा। उन्होंने बताया कि यह विवाह बिना दहेज के सादगी और सामाजिक संदेश के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिससे समाज में सकारात्मक प्रेरणा पहुंचेगी। परिवार और ग्रामीणों में विवाह को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है।

आत्मा के परमात्मा से मिलन का दिव्य अवसर है महाशिवरात्रि : भव्य बिश्नोई

- शिवरात्री पर आयोजित मिलन समारोह में की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई। फोटो : हरिभूमि

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक विश्वव्यापी आध्यात्मिक संस्था है, जिसने आध्यात्मिक जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। संस्था जिस प्रकार से व्यक्ति के नैतिक और मानसिक उत्थान पर बल देती है, उससे समाज में शांति, सद्भाव और सकारात्मकता का वातावरण बनता है। भजनलाल परिवार का ब्रह्माकुमारी संस्था से विशेष सामाजिक जुड़ाव रहा है। समाज उत्थान के प्रति आपकी सोच, निःस्वार्थ कार्यशैली हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत है।

यह बात भाजपा युवा नेता भव्य बिश्नोई ने बालसमंद रोड स्थित पैलेस में ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय द्वारा महाशिवरात्री पर आयोजित मिलन समारोह में भाग लेने के दौरान आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। भव्य बिश्नोई ने कहा कि महाशिवरात्री के पावन अवसर पर आपका शुभ आशीर्वाद प्राप्त करना मेरे लिए जहां गौरव की बात है, वहीं आध्यात्मिक रूप से भी उन्हें यहां पहुंचकर गहरी आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। ब्रह्माकुमारीज विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण, नशामुक्ति अभियान, पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के प्रसार जैसे अनेक सामाजिक कार्य निरंतर चलाए गए हैं।

जाखोद में बिजली घर की आधारशिला रखी

शिव को भोलेनाथ कहा जाता है, क्योंकि वे सरल भक्ति से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उनके मस्तक पर चंद्रमा शीतलता का, जटाओं से बहती गंगा पवित्रता का और गले में सर्प निर्भयता का प्रतीक है। उनका त्रिशूल शक्ति, संतुलन और न्याय का संदेश देता है। महाशिवरात्रि केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आत्मा के परमात्मा से मिलन का दिव्य अवसर है। इसके उपरांत उन्होंने आदमपुर हलके के गांव जाखोद में बिजली घर की आधारशिला रखी तथा हलके में कई सामाजिक व जलपान कार्यक्रम में शिरकत की।

प्रतिस्पर्धात्मक भावना बढ़ाकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं परीक्षाएं : डॉ. एकता सिंधू

- इंडस आरपीएस पब्लिक स्कूल में स्कॉलरशिप कम एडमिशन परीक्षा संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। स्कॉलरशिप कम एडमिशन परीक्षा में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंडस आरपीएस स्कूल में रविवार को स्कॉलरशिप कम एडमिशन परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कक्षा पहली से लेकर उच्च कक्षाओं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र राजपूत ने अपने संबोधन में कहा कि स्कॉलरशिप परीक्षा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

बच्चों का सर्वांगीण विकास स्कूल का उद्देश्य

चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास भी है। उन्होंने कहा कि ऐसी परीक्षाएं विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बढ़ाती हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया।

डाबड़ा चौक फ़्लाइओवर के नीचे पेंटिंग और सफाई की

हिसार। शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के प्रयास के तहत आज 'हमारा प्यार–हिसार' की टीम ने नगर निगम के सफाई कर्मियों के साथ मिलकर डाबड़ा चौक फ़्लाइओवर के नीचे पेंटिंग व सफाई अभियान शुरू किया। इस अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कर नागरिकों में स्वच्छता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में सर्वोदय अस्पताल की टीम ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। यहां के दुकानदारों में अपनी ज़िम्मेदारी का बिल्कुल भी एहसास नहीं था और पूरे क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी फैली हुई थी। निगम की टीम ने यहां से बड़ी मात्रा में कचरा उठाया। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. एसके गर्ग, डॉ. राज वर्मा, राजेंद्र गहलोत, हरीश भाटिया, जितेंद्र सैनी, अदेश मलिक, कमल भाटिया, मंजू पुनिया, जितेंद्र बंसल, मनीष गोयल, गगन मेहता, सत्येंद्र यादव, संजय मारवाड़ी, दिनेश बंसल, युद्धवीर पानू आदि थे।

नियमित साइकिल चलाना सरल सस्ता व प्रभावी व्यायाम : कम्बोज

हिसार। साइकिल चलाते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य।

- एचएयू में फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के तहत साइकिल पर हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन परिसर में-साइकिल पर रविवार-कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के तहत आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने साईकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं साईकिल चलाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रतिदिन साइकिल चलाने के लिए प्रेरित भी किया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज को जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवन शैली में स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। नियमित रूप से साइकिल चलाना एक सरल, सस्ता और प्रभावी व्यायाम है, जो शरीर और मन को स्वस्थ रखने में सहायक है। नियमित साइकलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि मानसिक संतुलन और ऊर्जा स्तर को भी बढ़ाती है।

दयानंद स्कूल में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को दी विदाई

बरवाला। मॉडल टाउन बरवाला स्थित दयानंद पब्लिक स्कूल में 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। इस फेयरवेल पार्टी में 11वीं कक्षा की शीतल व करीना ने बच्चों व अध्यापकों का तिलक लगाकर एवं फूलों की बौछार करके स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल डायरेक्टर सत्यवान कुंडू, प्रिंसिपल सीमा भनवाला व स्कूल कॉर्डिनेटर नरेश भ्याण ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। पार्टी का आगाज स्वागत गीत व स्पीच द्वारा खुशबू और सेम ने किया। 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। इस कार्यक्रम में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के फन गेम्स भी करवाए। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स व सभी अध्यापकों को टाइटल व गिफ्ट देकर सम्मानित किया। बारहवीं कक्षा की आरती व साक्षी ने अध्यापकों के प्रति अपनी भावनाओं को शायरी एवं कविता के माध्यम से प्रकट किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

कार्यक्रम | कंवारी में हुआ खंड सम्मेलन, जिलाध्यक्ष ने किया उद्घाटन

अंधविश्वास, पाखंड, असमानता, भेदभाव व अशिक्षा समाज की प्रगति में बाधक : समिति

- 'नवजागरण सम्मेलन, वैज्ञानिक चेतना से सामाजिक न्याय प्राप्ति की पहल' का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। कंवारी में आयोजित नव जागरण सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता।

हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति, हिसार -1 का खंड सम्मेलन गांव कंवारी में 'नवजागरण सम्मेलन, वैज्ञानिक चेतना से सामाजिक न्याय प्राप्ति की पहल' थीम पर आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन जिला अध्यक्षा अनीता शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि सभ्य नागरिक समाज के निर्माण और वैज्ञानिक सोच को मजबूत करने के उद्देश्य से नवजागरण सम्मेलनों को गांव से लेकर राज्य स्तर तक किये जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि समिति पिछले चार दशकों से समाज में तार्किकता, विवेकशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रसार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। समिति के अनुसार अंधविश्वास, पाखंड, असमानता, भेदभाव, नफरत और अशिक्षा समाज की प्रगति में बड़ी बाधाएं हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए युवाओं, महिलाओं और वंचित तबकों को सामाजिक भूमिका में सक्रिय करना आवश्यक है। समिति के जिला सचिव रमेश चंद्र ने कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक सोच ही शांति और समृद्धि का आधार बन सकती है। इस अवसर पर समिति का सातवां खंड सम्मेलन हुआ।

रिपोर्ट प्रस्तुत की

इस अवसर पर खंड सचिव सुनील कुमार ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। हिसार-1 खंड के इलाके में वर्तमान में शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में विशेष रूप से काम किया जा रहा है। शिक्षा को सभी की पहुंच में लाने और उसके ढांचे को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी पर जोर दिया जा रहा है। वहीं कृषि क्षेत्र में 'जहरमुक्त थाली' की अवधारणा के तहत किसान, उपभोक्ता और वैज्ञानिक मिलकर सुरक्षित खाद्य प्रणाली और खाद्यान्न सम्प्रभुता की दिशा में काम कर रहे हैं। समिति के खंड अध्यक्ष जयसिंह ने चिंता जताई कि हिंसा और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति युवा पीढ़ी और समाज को खोखला कर रही है। इसका वैकल्पिक समाधान युवाओं को रचनात्मक मंच देकर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना है। संयोजन मा. सतीश ने किया।